MATS UNIVERSITY
School of Arts & Humanities

B.A. Hons' Hindi with Journalism and Tourism
(Three year Full Time Degree Course)

Course Code - 0701BA

Semester Pattern
Choice Based Credit System

(SEMESTER SYSTEM)

2015-2021

Curriculum Matrix
B.A. Hindi (Hons.) with Journalism and Tourism

Semester I						
Code	Subject	Credit 1Cr= 1 hrs	L+T+P	Univ. Exam Marks	Int. Marks	Total Marks
CORE COURSES (C) / GENRAL ELECTIVE (GE) / ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)						
MSAH/BAH/101 C-1	हिन्दी साहित्य का इतिहास	6	5+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/102 C-2	पर्यटन के मूलभूत सिद्धांत	6	5+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/103 C3	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	6	5+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/104 AECC-1	सामान्य अंग्रेजी	2	2+0+0	35	15	50
MSAH/BAH/105 GE -1	पत्रकारिता के क्षेत्र में संचार सिद्धांत और ऐतिहासिक विकास	6	5+1+0	70	30	100
	Total	26	22+4+0	315	135	450

C 1 - Core Course
C 2 – Core Course
C 3 – Core Course
AECC1 – Ability Enhancement Compulsory Course -1
GE 1 – General Elective 1

Semester II						
Code	Subject	Credit 1Cr= 1 hrs	L+T+P	Univ. Exam Marks	Int. Marks	Total Marks
CORE COURSES (C) / GENRAL ELECTIVE (GE) / ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)						
MSAH/BAH/201 C-4	हिन्दी भाषा– उत्पत्ति एवं विकास	6	5+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/202 C-5	जनसंचार और समाचार लेखन	6	5+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/203 C-6	पर्यटन प्रबंधन और संगठन	6	5+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/204 AECC-2	पर्यावरण अध्ययन	2	2+0+0	35	15	50
MSAH/BAH/205 GE-2	प्रयोजन मूलक हिन्दी की प्रयुक्तियाँ	6	5+1+0	70	30	100
Total		**26**	**22+4+0**	**315**	**135**	**450**

C 4 - Core Course
C 5 – Core Course
C 6 – Core Course
AECC 2 – Ability Enhancement Compulsory Course -2
GE 2 – General Elective 2

Semester III						
Code	Subject	Credit 1Cr= 1 hrs	L+T+P	Univ. Exam Marks	Int. Marks	Total Marks
CORE COURSES (C) / GENRAL ELECTIVE (GE) / SUBJECT CENTREIC ELECTIVE (SCE)						
MSAH/BAH/301 C-7	आधुनिक काव्य	6	5+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/302 C-8	पर्यटन के वित्तीय साधन और आंकलन	6	5+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/303 C-9	हिन्दी निबंध और एकांकी	6	5+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/304 SEC -1	अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि	4	3+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/305 GE-3	प्रसारण पत्रकारिता	6	5+1+0	70	30	100
Total		**28**	**23+5+0**	**350**	**150**	**500**

C 7 - Core Course
C 8 – Core Course
C 9 – Core Course
SEC 1 – Skill Enhancement Course -1
GE 3– General Elective 3

Semester IV						
Code	Subject	Credit 1Cr= 1 hrs	L+T+P	Univ. Exam Marks	Int. Marks	Total Marks
CORE COURSES (C) / GENRAL ELECTIVE (GE) / SUBJECT CENTREIC ELECTIVE (SCE)						
MSAH/BAH/401 C-10	नाट्य साहित्य	6	5+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/402 C-11	जनसंपर्क और विज्ञापन	6	5+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/403 C-12	पर्यटन के विविध आयाम	6	5+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/404 SEC-2	आधुनिक भारतीय साहित्य	4	3+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/405 GE-4	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन	6	5+1+0	70	30	100
Total		**28**	23+5+0	**350**	**150**	**500**

C 10 - Core Course
C 11– Core Course
C 12 – Core Course
SEC 2 – Skill Enhancement Course -1
GE 4– General Elective 4

Semester V						
Code	Subject	Credit 1Cr= 1 hrs	L+T+P	Univ. Exam Marks	Int. Marks	Total Marks
CORE COURSES (C) / DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSE)						
MSAH/BAH/501 C-13	उपन्यास साहित्य	6	5+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/502 C-14	प्रयोगवाद एवं नई कविता	6	5+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/503 C-15	पत्रकारिता में प्रेस कानून और आचार संहिता	4	3+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/504 DSE-1	यात्रा साहित्य	4	3+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/505 DSE-2	लोक साहित्य	4	3+1+0	70	30	100
Total		**24**	19+5+0	**350**	**150**	**500**

C 13 - Core Course
C 14 – Core Course
C 15 – Core Course
DSE 1– Discipline Specific Elective -1
DSE 2– Discipline Specific Elective -2

Semester VI						
Code	Subject	Credit 1Cr= 1 hrs	L+T+P	Univ. Exam Marks	Int. Marks	Total Marks
CORE COURSES (C) / GENRAL ELECTIVE (GE) / SUBJECT CENTREIC ELECTIVE (SCE)						
MSAH/BAH/601 C-16	गद्य की अन्य विधाएँ	6	5+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/602 C-17	सूचना प्रौद्योगिकी और पत्रकारिता	6	5+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/603 DSE-3	अस्मितामूलक विमर्श एवं हिन्दी साहित्य	4	3+1+0	70	30	100
MSAH/BAH/604 DSE-4	विशिष्ट क्षेत्र में परियोजना कार्य/लघु शोध प्रबंध, पत्रकारिता में परियोजना कार्य	4	3+1+0	70	30	100
Total		**20**	16+4+0	**280**	**120**	**400**

C 16 - Core Course
C 17 – Core Course
DSE 3– Discipline Specific Elective -3
DSE 4– Discipline Specific Elective -4

B.A. (Hons.) Hindi with Journalism and Tourism

उद्देश्य

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिन्दी के साथ–साथ पर्यटन एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के अवसरों के बारे में जागरूकता एवं उससे संदर्भित विषयों से अवगत कराना है।
- हिन्दी भाषा के पत्रकारिता के क्षेत्र में बढ़ते महत्व एवं प्रासंगिकता से विद्यार्थियों को अवगत कराना साथ ही लेखन कला में उत्कृष्टता प्रदान करना।
- पर्यटन के अध्ययन से विद्यार्थी अपनी संस्कृति, साहित्य एवं सभ्यता से जुड़े रहेंगे।

Semester- I

CORE COURSES

1. प्रथम प्रष्न पत्र– हिन्दी साहित्य का इतिहास

उद्देष्य– इस विषय को पाठ्यक्रम में शामिल करने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास से भलि–भांति अवगत कराना है जिससे वे हिन्दी साहित्य के आधार को समझ सकें।

पाठयांश
इकाई 1 : आदिकाल/वीरगाथा काल
इकाई 2 : भक्तिकाल
इकाई 3 : रीतिकाल/श्रृंगार काल
इकाई 4 : आधुनिक काल–गद्य
इकाई 5 : आधुनिक काल–पद्य

परिणाम – विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य से परिचय प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा एवं उनकी अभियोग्यता में वृद्धि होगी। हिन्दी साहित्य के इतिहास के अंतर्गत युगीन परिस्थितियों का अध्ययन कराने के उद्देश्य के फलस्वरूप विद्यार्थियों में तुलनात्मक अध्ययन की क्षमता का विकास हो सकेगा।

REFERENCE BOOKS:

1.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	:	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	:	डॉ. नगेन्द्र एवं हरदयाल
3.	हिन्दी साहित्य का आदिकाल	:	डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
4.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	:	हृदयेश मिश्र
5.	हिन्दी भाषा का इतिहास	:	भोलानाथ तिवारी

2. द्वितीय प्रष्न पत्र– पर्यटन के मूलभूत सिद्धांत

उद्देष्य– समय के साथ पर्यटन के क्षेत्र में बढ़ते रोजगार के अवसर के फलस्वरूप इस प्रश्न पत्र को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। पर्यटन के क्षेत्र में राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय महत्व से विद्यार्थियों को अवगत कराना मुख्य उद्देश्य है।

पाठयांश
इकाई 1 : पर्यटन का स्वरूप और प्रकृति
इकाई 2 : पर्यटन के आधार और प्रकार
इकाई 3 : पर्यटन का इतिहास और अन्य यात्रा स्रोत
इकाई 4 : पर्यटन के सहयोगी अंग
इकाई 5 : पर्यटन एक सेवा उद्योग

परिणाम – विद्यार्थी पर्यटन की बारीकियों से अवगत हो सकेंगे और इस क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं की ओर उन्मुख होंगे।

REFERENCE BOOKS:

पर्यटन सिद्धांत और प्रबंधन	:	शिवस्वरुप सहाय
प्राचीन भारतीय शासन और विधि	:	शिवस्वरुप सहाय
पर्यटकों का देश भारत	:	शिवस्वरुप सहाय

3. तृतीय प्रष्न पत्र – प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

उद्देष्य– इस प्रश्न पत्र को शामिल करने का मुख्य उद्देश्य प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य की प्रमुख विशेषताएँ एवं कवियों की रचनात्मक सृजन क्षमता से अवगत कराना है।

पाठयांश

इकाई 1 : कबीर –श्यामसुन्दर दास (प्रारंभिक 50 साखियां)
इकाई 2 : सूरदास –भ्रमरगीत सार – संपादन – आचार्य रामचंद्र शुक्ल (25 पद)
इकाई 3 : तुलसीदास –रामचरित मानस (गीता प्रेस) सुंदरकांड
इकाई 4 : बिहारी – बिहारी रत्नाकर– संपादन – जगन्नाथ प्रसाद रत्नाकर (प्रारंभिक 25 दोहे)
इकाई 5 : जायसी – पद्मावत (नागमति वियोग खण्ड)

परिणाम– विद्यार्थी लोक संवेदना एवं भाषा, संस्कृति एवं समकालीन सामाजिक–सांस्कृतिक तथा राजनीतिक परिस्थितियों के काव्य में पड़े प्रभाव से अवगत हो सकेंगे।

REFERENCE BOOKS:

कबीर का रहस्यवाद	:	डॉ. रामकुमार वर्मा
सूरदास	:	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
तुलसीदर्शन	:	बलदेव प्रसाद मिश्र
मध्यकालीन हिन्दी काव्यधारा	:	डॉ. रामस्वरुप
प्रमुख प्राचीन कवि	:	डॉ. द्वारिका प्रसाद द्विवेदी

4. चतुर्थ प्रश्न पत्र – सामान्य अंग्रेजी

AECC

उद्देष्य– विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ–साथ अंग्रेजी भाषा का ज्ञान प्रदान करना।

English Language

Module-I	**:**	Articles, Verbs, Poem-Where The Mind Is Without Fear by Rabindranath Tagore.
Module-II	**:**	Determiners-Use of Some/Any, Sentences and Types of Sentences, Poem-Tree by Tina Morris.
Module-III	**:**	Tenses, Active and Passive Voice, Story-The Portrait of a Lady by Khushwant Singh.
Module-IV	**:**	Gerunds, Infinitives, Story-The Open Window by H.H. Munro.
Module-V	**:**	Prepositions, Letter Writing –Formal and Informal Letters, Paragraph Writing.

परिणाम– विद्यार्थियों हिन्दी के साथ–साथ अंग्रेजी भाषा का भी ज्ञान हो सकेगा और वे अंग्रेजी साहित्य के अध्ययन के साथ–साथ अनुवाद सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपने कैरियर का निर्माण कर सकेंगे।

REFERENCE BOOKS:

1 High School English Grammar and Composition by Wren & Martin
2 English Language and Indian Culture published by M.P. Hindi Granth Academy, Bhopal.

5. पंचम प्रष्न पत्र – पत्रकारिता के क्षेत्र में संचार सिद्धांत

GE -1

पाठयांश

उद्देष्य– बी.ए हिन्दी ऑनर्स में हिन्दी साहित्य के साथ–साथ पत्रकारिता का पाठ्यक्रम भी शामिल किया गया है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को पत्रकारिता के क्षेत्र में संचार के सिद्धांतों से अवगत कराना है।

इकाई 1 : परिभाषा, प्रक्रिया एवं प्रकार. संचार के साधन, मौखिक, लिखित शब्दावली

इकाई 2 : पत्रकारिता का अर्थ, वर्णन, प्रकृति, कार्यक्षेत्र

इकाई 3 : पत्रकारिता का इतिहास

इकाई 4 : पत्रकारिता लेखन का इतिहास– लेखन के मूल तत्व, सिद्धांत, लेखन में रचनात्मकता– फीचर, लेख, साक्षात्कार, कहानी, व्यवसायिक लेखन, तकनीकी लेखन शैली, समाचार लेखन, पत्र लेखन

इकाई 5 : प्रसारण लेखन– परिचय भाषा रेडियो के लिये लेखन, टीवी

परिणाम– विद्यार्थियों को पत्रकारिता के विभिन्न माध्यमों में रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकेंगे।

REFERENCE BOOKS:

1. समाचार पत्रों का इतिहास	:	अंबिका प्रसाद वाजपेयी
2. हिन्दी पत्रकारिता	:	डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र
3. हिन्दी पत्रकारिता :विविध आयाम	:	सं. वेदप्रताप वैदिक
4. पत्र और पत्रकार	:	कमलापति त्रिपाठी
5. पत्र संपादन कला	:	नंदकि''ोर त्रिखा

Semester- II

CORE COURSES

1 प्रथम प्रष्न पत्र : हिन्दी भाषा – उत्पत्ति एवं विकास

उद्देष्य – इस विषय के अध्ययन से विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा की उत्पत्ति और उसके विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराना है।

पाठयांश

इकाई 1: भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण

इकाई 2 : हिन्दी की उत्पत्ति, हिन्दी की मूल आकार भाषाएँ, पुरानी हिन्दी, अवहट्ट हिन्दी तथा विभिन्न भाषाओं का विकास

इकाई 3 : हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप–बोलचाल की भाषा, रचनात्मक भाषा, राष्ट्रभाषा

इकाई 4 : हिन्दी का शब्द भण्डार एवं शब्दकोश

इकाई 5 : हिन्दी भाषा का मानकीकरण और आधुनिकीकरण

परिणाम – हिन्दी भाषा की आधारभूत जानकारियों से विद्यार्थियों को अवगत होने का अवसर प्राप्त होगा।

REFERENCE BOOKS:

1.	हिन्दी उत्पत्ति एवं विकास	:	डॉ. हरदेव बाहरी
2.	हिन्दी भाषा साहित्य का विकास	:	जगदीश यादव
3.	हिन्दी भाषा साहित्य का विकास तथा काव्यांग विवेचन	:	डॉ. आर.के. पाण्डेय
4.	हिन्दी भाषा का इतिहास	:	डॉ. भोलानाथ तिवारी
5.	व्याकरण भारती	:	सुरेन्द्रकुमार झा

2 द्वितीय प्रष्न पत्र – जनसंचार और समाचार लेखन

उद्देष्य – संचार हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। इस विषय का उद्देश्य है विद्यार्थियों को जनसंचार की मूलभूत जानकारी से अवगत कराना एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में समाचार लेखन की कला में पारंगत करना।

पाठयांश

इकाई 1 : जनसंचार अभिप्राय, परिभाषाएँ, महत्व
इकाई 2 : जनसंचार के आधुनिक व परम्परागत माध्यम
इकाई 3 : समाचार लेखन, सिद्धांत, तकनीक और प्रकार
इकाई 4 : शीर्षक लेखन, महत्व, प्रकार, विशेषताएँ
इकाई 5 : साक्षात्कार, अर्थ, प्रकार, महत्व

परिणाम – विद्यार्थियों को जनसंचार के विभिन्न पारंपिक एवं आधुनिक माध्यमों की जानकारी प्राप्त होगी तथा समाचार लेखन की कला में पारंगत होने पर उन्हें विभिन्न संचार माध्यमों में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

REFERENCE BOOKS

1.	जनसंचार	:	राधेश्याम शर्मा
2.	सूचना संचार और समाचार	:	मुकुंद श्रीवास्तव
3.	जनसंचार और विज्ञापन	:	संतोष गोयल
4.	रेडियों प्रसारण	:	कौशल शर्मा
5.	मीडिया विमर्श	:	रामशरण जोशी
6.	सूचना प्रौद्योगिकी और जनमाध्यम	:	डॉ. निहारिका चतुर्वेदी
7.	पत्रकारिता के विविध आयाम	:	डॉ. गोविंद प्रसाद

3 तृतीय प्रष्न पत्र – पर्यटन प्रबंधन और संगठन

उद्देष्य– विद्यार्थियों को पर्यटन से संबंधित विभिन्न जानकारियों से अवगत कराना।

पाठयांश

इकाई 1 : पर्यटन प्रबंधन– परिचय, पर्यटन एजेंसियाँ और व्यवस्थापक
इकाई 2 : पर्यटन उद्योग की महत्वपूर्ण एजेंसियाँ
इकाई 3 : पर्यटन संगठन
इकाई 4 : छत्तीसगढ़ के धार्मिक एवं ऐतिहासिक पर्यटन स्थल
इकाई 5 : होटल प्रबंधन और भारत

परिणाम – पर्यटन के विकास के लिए प्रबंधन एवं संगठन का होना आवश्यक है। इस विषय से विद्यार्थी प्रबंधन–संगठन की बारीकियों से अवगत हो सकेंगे तथा पर्यटन के क्षेत्र में स्वरोजगार के प्रति प्रोत्साहित हो सकेंगे।

REFERENCE BOOKS

1.	पर्यटन–सिद्धांत और प्रबंधन	:	शिवस्वरुप सहाय
2.	भारत में पर्यटन	:	शिवस्वरूप सहाय
3.	प्राचीन भारतीय शासन और विधि	:	शिवस्वरुप सहाय
4.	प्रर्यटकों का देश भारत	:	शिवस्वरूप सहाय

4 चतुर्थ प्रष्न पत्र – पर्यावरण अध्ययन
AECC

पाठयांश

उद्देष्य – पर्यावरण हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। वैश्विक धरातल पर पर्यावरण अध्ययन एक महत्वपूर्ण विषय है। हमारा उद्देश्य है विद्यार्थियों को पर्यावरण की मूलभूत जानकारी प्राप्त हो सके।

इकाई–1 : पर्यावरण अध्ययन की बहुविकल्पीय प्रकृति– परिभाषा, क्षेत्र और महत्व, प्राकृतिक संसाधन, नवीनीकृत एवं अनवीनीकृत संसाधन

इकाई–2 : पारिस्थितिक तंत्र– पारिस्थितिक तंत्र की परिकल्पना, संरचना और कार्य, उत्पादक, उपभोक्ता एवं अपघटनकर्ता, पारिस्थितिक अनुक्रमण।

इकाई–3 : जैव विविधता और इसका संरक्षण– परिभाषा, भारतवर्ष का जैव भौगोलिक वर्गीकरण, विश्व, राष्ट्रीय एवं स्थानीय स्तर पर जैव विविधता, जैव विविधता का संरक्षण।

इकाई–4 : पर्यावरण प्रदूषण– प्रकार, परिभाषा, कारण, प्रभाव और नियन्त्रण, समाज के विचारणीय विषय एवं पर्यावरण ।

इकाई–5 : मानव जनसंख्या एवं पर्यावरण– जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या विस्फोट, पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य, पारिस्थितिक तंत्र – प्रस्तावना, प्रकार, लक्षण एवं कार्य, हरित गृह प्रभाव एवं ओजोन परत।

परिणाम – पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति विद्यार्थी जागरुक हो सकेंगे और पर्यावरण संतुलन की दिशा में यह प्रयास महत्वपूर्ण योगदान के रूप में जाना जा सकेगा। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु पर्यावरण के विषय का अभ्यास विद्यार्थियों को कराया जा सकेगा। विद्यार्थी अपने पर्यावरण के प्रति अधिक सचेत हो सकेंगे।

REFERENCE BOOKS

1. पर्यावरण अध्ययन : विजय कुमार तिवारी
2. Environment : डॉ. महिमा तिवारी
3. पर्यावरण अध्ययन : अंजली मुखर्जी
4. पर्यावरण विज्ञान : के.एल. तिवारी, एस.के. जाधव

5 पंचम प्रष्न पत्र – प्रयोजन मूलक हिन्दी की प्रयुक्तियाँ
GE -2

उद्देष्य – यह विषय सामान्य हिन्दी एवं कार्यालयीन हिन्दी के मध्य अंतर को स्पष्ट कर हिन्दी की विशिष्टता को दर्शाता है।

पाठयांश

इकाई–1 : प्रयोजनमूलक हिन्दी से अभिप्राय, कामकाजी हिन्दी, पल्लवन एवं संक्षिप्ति।

इकाई–2 : शब्द के प्रकार, समानार्थी, समश्रुत, विलोम, अनेकार्थी, तत्सम, तद्भव, उपसर्ग, प्रत्यय , वाक्य के भेद ।

इकाई–3 : विराम चिन्ह के प्रयोग और नियम

इकाई–4 : मानक भाषा, वाक्यों की अशुद्धियाँ एवं उनका संशोधन

इकाई–5 : पारिभाषिक शब्दावली, निबंध लेखन, प्रतिवेदन, पत्र लेखन, हिन्दी टंकण।

परिणाम – इस विषय के अंतर्गत विद्यार्थियों को कम्प्यूटर के सामान्य परिचय से अवगत होने का लाभ प्राप्त होगा एवं उनमें तकनीकी क्षमता का विकास होगा। कम्प्यूटर समय की मांग है जिसमें विद्यार्थी प्रशिक्षित हो सकेंगे। इस विषय के माध्यम से विद्यार्थियों को कार्यालयीन अनुवाद एवं व्यावहारिक अनुवाद शैली का भी ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।

REFERENCE BOOKS

1. जनसंपर्क और विज्ञापन : संतोष गोयल
2. जनसंचार और हिन्दी : डॉ. गुलाम मोहनुद्दीन
3. मीडिया लेखन कला : निशांत सिंह
4. हिन्दी पत्रकारिता के कीर्तिमान : जगदीश प्रसाद त्रिवेदी

5.	कार्यालयीन हिन्दी	:	प्रो. के.एल. वर्मा
6.	प्रयोजनमूलक हिन्दी विशेषांक	:	वाक् पत्रिका
7.	प्रयोजनमूलक हिन्दी और हिन्दी पत्रकारिता	:	डॉ. मुस्ताक अली
8.	प्रयोजनमूलक हिन्दी	:	डॉ. नरेन्द्र मिश्रा

Semester- III

CORE COURSES

1 प्रथम प्रष्न पत्र – आधुनिक काव्य

उद्देष्य – विद्यार्थियों को आधुनिक काव्यगत युगीन परिस्थितियों से परिचित कराना एवं देश के महान कवियों गुप्त, निराला, पंत, चतुर्वेदी, अज्ञेय आदि की काव्यगत विशेषताओं का अध्ययन कराना।

पाठ्यांश

इकाई 1 :	मैथली शरण गुप्त – साकेत (नवम सर्ग पद क्रमांक 1, 2, 3, 4, 5) भारत–भारती की कविताएं	
इकाई 2 :	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला –	**1.** सरोज स्मृति **2.** तोडती पत्थर **3.** सखि बसन्त आया **4**. हिन्दी के सुमनो के प्रति पत्र।
इकाई 3 :	सुमित्रानंदन पंत –	**1.** बादल **2.** ताज **3.** भारत माता **4** झंझा में नीम इकाई
इकाई 4 :	माखन लाल चतुर्वेदी –	**1.** उलाहना **2.** मै बेच रही हूं दही **3.** सांझ और ढोलक की थापी **4**. निःशस्त्र सेनानी **5.** बलि पंथी से
इकाई 5 :	अज्ञेय –	**1.** बावरा अहेरी **2** सबेरे उठा तो धूप खिली थी **3.**घर **4.**चांदनी जी लो।

परिणाम – विद्यार्थियों को आधुनिक काल के कवियों की लेखन शैली की जानकारी प्राप्त होगी एवं उनमें काव्य लेखन के प्रति रुझान बढेगा जिससे उनकी प्रतिभा सामने आएगी।

REFERENCE BOOKS:

1.	साकेत	:	मैथलीशरण गुप्त
2.	आधुनिक हिन्दी काव्य	:	डॉ. राजेन्द्र मिश्र
3.	निराला का साहित्य साधना	:	रामविलाश शर्मा, राजकमल प्रकाशन
4.	रागविराग	:	सं. डॉ. रामविलाश शर्मा
5.	तारापथ	:	दूधनाथ सिंह
6.	अज्ञेय और नई कविता	:	चंद्रकला त्रिपाठी

2 द्वितीय प्रष्न पत्र – पर्यटन के वित्तीय साधन और आकलन

उद्देष्य – विद्यार्थियों को पर्यटन के वित्तीय साधन एवं आकलन, यात्रा एजेंट एवं उनके कार्यों की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यांश

इकाई 1	:	यात्रा एजेंट – एजेंटों की आवश्यकता, भारत में एजेंटों की नियुक्ति, यात्री एजेंटों के कार्य, अगस्त सम्मान, यात्रा एजेंटों की कठिनाइयां, यात्रा एजेंटों की आर्थिक उपलब्धियाँ, पैकेज टूर, चार्टर्ड टूर, संगठन
इकाई 2	:	पर्यटन विपणन (क) – पर्यटन विपणन का अभिप्राय, पर्यटन उत्पादन की विशेषताएँ, पर्यटन विपणन के सोपान, पर्यटन विपणन के प्रभावक तत्व, पर्यटन विपणन के नीति निर्धारक पांच तत्व।
इकाई 3	:	पर्यटन विपणन (ख) – पर्यटन बाजार को विकसित करने का माध्यम – (अ) पर्यटकों से संवाद संपर्क (ब) निर्लक्षित क्रेता संबंधित शोध (स) योजना का विस्तारीकरण (द) विज्ञापन (य) प्रचार, पर्यटन बाजार और वस्तु बाजार में अंतर, पर्यटन बाजार में पूर्ति और मांग, यात्रा विपणन में कठिनाइयाँ, भारत में पर्यटन विपणन।
इकाई 4	:	भारत के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल

1. बौद्ध धर्म से संबंधित पर्यटन स्थल, 2. जैन धर्म से संबंधित पर्यटन स्थल 3. हिन्दू धर्म से संबंधित पर्यटन स्थल

इकाई 5 : उडयन उद्योग संगठन और भारत

परिणाम – पर्यटन के सफल संचालन के लिए वित्तीय साधन एवं आकलन महत्वपूर्ण विषय है। विद्यार्थी पर्यटन के वित्तीय साधनों से अवगत हो सकेंगे। उन्हें यात्रा एजेंट व उनके कार्यों से भी अवगत होने का अवसर प्राप्त होगा जिससे वे इस क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं के प्रति उन्मुख होकर अपना कैरियर निर्माण कर सकेंगे।

REFERENCE BOOKS:

1. पर्यटन–सिद्धांत और प्रबंधन : शिवस्वरुप सहाय
2. भारत में पर्यटन : शिवस्वरूप सहाय
3. प्राचीन भारतीय शासन और विधि : शिवस्वरुप सहाय
4. प्रर्यटकों का देश भारत : शिवस्वरूप सहाय

3 तृतीय प्रष्न पत्र – हिन्दी निबंध और एकांकी

उद्देष्य –हिन्दी निबंध और एकांकी के उद्भव एवं विकास से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।

पाठयांश

इकाई 1 : निबंध–परिचय, स्वरूप, निबंध का उद्भव और विकास

इकाई 2 : एकांकी– परिचय, स्वरूप, एकांकी का उद्भव और विकास

इकाई 3 : अ. श्रद्धा भक्ति – आचार्य रामचंद्र शुक्ल (निबंध)
व. दीपदान – रामकुमार वर्मा (निबंध)

इकाई 4 : अ. मजदूरी और प्रेम – सरदार पूर्ण सिंह (निबंध)
ब. मम्मी ठकुराइन – लक्ष्मीनारायण लाल (एकांकी)

ईकाई 5 : अ. वैष्णव की फिसलन – हरिशंकर परसाई
ब. रीढ़ की हड्डी – जगदीश चंद्र ठाकुर

परिणाम – विद्यार्थीगण हिन्दी निबंध एवं एकांकी की कला में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकेंगे। संकलित एकांकीकारों और निबंधकारों की विशिष्ट रचनाओं का अध्ययन विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने में सहायक होगा।

REFERENCE BOOKS:

1. हिन्दी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – डॉ. सिद्ध नाथ कुमार
2. हिन्दी एकांकी : उद्भव और विकास – रामचरण महेंद्र
3. हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास – रामचंद्र तिवारी
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र, हरदयाल
5. चिंतामणी – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
6. हिन्दी निबंध साहित्य का इतिहास – गोपाल राव
7. श्रेष्ठ एकांकी – संकलित
8. निबंध संकलन – संकलित

4 चतुर्थ प्रष्न पत्र : अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि

उद्देश्य – विद्यार्थियों को अनुवाद के स्वरूप और उसकी प्रक्रिया से परिचित कराना जिससे वे अच्छे अनुवादक की योग्यता और उसके गुणों का ज्ञान प्राप्त कर सकें।

पाठयांश

इकाई 1 : अनुवाद का स्वरुप, क्षेत्र, प्रक्रिया, अनुवाद की प्रविधि, हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका

इकाई 2 : अनुवादक की योग्यताएँ, अनुवाद का महत्व, अनुवाद का परीक्षण, सफल अनुवाद

इकाई 3 : अनुवाद के प्रकार
1. शब्दानुवाद 2. सहजानुवाद 3. भावानुवाद 4. छायानुवाद
5. सारानुवाद 6. व्याख्यानुवाद 7. वार्तानुवाद 8. रुपांतरण
9. भाषांतरण

इकाई 4 : व्यवहारिक अनुवाद अभ्यास
1. कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद 2. जनसंचार माध्यमों का अनुवाद
3. विज्ञापन में अनुवाद

इकाई 5 : वैचारिक साहित्य का अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक, अनुवाद, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद, विधि साहित्य की हिन्दी और अनुवाद

परिणाम – इस विषय के अध्ययन से विद्यार्थी अनुवादन कला के क्षेत्र में अपने कैरियर का निर्माण कर सकेंगे।

REFERENCE BOOKS:

1. अनुवाद और मीडिया : डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू
2. अनुवाद प्रविधि : सुरेश कुमार
3. अनुवाद प्रक्रिया : आर. सुरेन्द्रन
4. भारतीय भाषाओं के पुरस्कृत साहित्यकार : आर सुरेन्द्रन
5. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग : श्री गोपीनाथन

5 पंचम प्रष्न पत्र – प्रसारण पत्रकारिता
GE-3

उद्देष्य –पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रसारण की कला के महत्व से अवगत कराना एवं इस क्षेत्र में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर उनकी प्रतिभा का विकास करना।

पाठयांश

इकाई–1 : संचार माध्यमों के रूप में रेडियो, इतिहास, महत्व

इकाई–2 : आकाशवाणी केंद्र का संगठन, कार्यक्रम प्रबंधन (आकाशवाणी केंद्र का भ्रमण)

इकाई–3 : कम्यूनिटी रेडियो, इतिहास व महत्व, समाज में भूमिका

इकाई–4 : दूरदर्शन : संचार माध्यम के रूप में टेलीविजन, इतिहास व महत्व (दूरदर्शन केंद्र का भ्रमण)

इकाई–5 : एफएम, इतिहास, महत्व, (एफएम केंद्रों का भ्रमण)

परिणाम– वर्तमान समय में पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रसारण पत्रकारिता प्रमुख व्यवसाय है जिसके विभिन्न आधुनिक माध्यम रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट, सोशल मीडिया, डाक्यूमेंट्री आदि हैं। प्रसारण ने पत्रकारिता को बहुआयामी बनाकर रोजगार के अनेक अवसरों का सृजन किया है। इस विषय के अध्ययन से विद्यार्थी विभिन्न प्रसारण माध्यमों की जानकारी प्राप्त कर अपने कैरियर का निर्माण कर सकेंगे।

REFERENCE BOOKS:

1. रेडियो प्रसारण : कौशल शर्मा
2. टेलीविजन की भाषा : हरीशचंद वर्णवाल
3. मीडिया विमर्श : रामशरण जोशी
4. फीचर लेखन : संजय श्रीवास्तव
5. स्टिंग आपरेशन नहीं फिटिंग आपरेशन : अजीत कुमार तोमर

6. रेडियो प्रसारण की नई तकनीक : डॉ. किशोर सिन्हा

Semester- IV
CORE COURSES

1 प्रथम प्रष्न पत्र – नाट्य साहित्य

उद्देष्य – नाटक एवं रंगमंच से जुड़ी विभिन्न जानकारियों से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

पाठ्यांश

इकाई 1 : हिन्दी नाटक स्वरूप एवं तत्व, हिन्दी नाटक का विकास क्रम।
हिन्दी नाटक और भारतेन्दु

इकाई 2 : 1. अन्धा युग – डॉ. धर्मवीर भारती
2. आधे अधूरे – मोहन राकेश

इकाई 3 : 1. आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश
2. ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

इकाई 4 : जयशंकर प्रसाद और नाटक

इकाई 5 : प्रसादोत्तर नाटक – आधुनिकता बोध, प्रयोगधर्मिता और नाट्य भाषा

परिणाम –विद्यार्थियों को नाट्य कला के इतिहास और विकास से लेकर वर्तमान संदर्भ में विविधताओं का ज्ञान प्राप्त होगा एवं नाट्य के क्षेत्र में उनमें लेखन कला, प्रस्तुति हेतु प्रतिभा का विकास हो सकेगा।

REFERENCE BOOKS:

1. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास : डॉ. दशरथ ओझा
2. हिन्दी नाट्य शास्त्र का स्वरूप : नर्वदेश्वर राय
3. हिन्दी नाटक : बच्चन सिंह
4. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान : डॉ. वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी
5. जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगन्नाथ शर्मा
6. आधे अधूरे : मोहन राकेश.

2 द्वितीय प्रष्न पत्र – जनसंपर्क और विज्ञापन

उद्देष्य – जनसंपर्क, विज्ञापन एवं उससे संबंधित विभिन्न क्षेत्रों से विद्यार्थियों को अवगत कराकर उन्हें इस क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं के प्रति प्रेरित करना।

पाठ्यांश

इकाई 1 : जनसंपर्क अभिप्राय, महत्व, प्रक्रिया

इकाई 2 : प्रचार तथा जनसंपर्क की भूमिका, जनसंपर्क की आचार संहिता, सरकार और जनसंपर्क

इकाई 3 : जनमत सर्वेक्षण, जनसंपर्क और लोकमत निर्माण

इकाई 4 : विज्ञापन, अभ्रिप्राय, गुण, प्रकार, विज्ञापन के माध्यम

इकाई 5 : विज्ञापन के अंग, भाषा संरचना, माध्यम के विविध रूप, आचार संहिता

परिणाम – कार्पोरेट जगत से लेकर शासकीय, गैर शासकीय एवं शैक्षणिक संस्थाओं में जनसंपर्क एवं विज्ञापन का क्षेत्र वर्तमान संदर्भ में वृहद है जिसमें विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

REFERENCE BOOKS:

1. सूचना प्रौद्योगिकी एवं जनमाध्यम : डॉ. निहारिका चतुर्वेदी
2. जनसंपर्क और विज्ञापन : संतोष गोयल
3. पत्रकारिता हेतु लेखन : निशांत सिंह

4. मीडिया लेखन एवं प्रिंट पत्रकारिता : डॉ. यू.सी. गुप्ता
5. जनसंपर्क एवं पत्रकारिता : डॉ. रेशमा नदाफ

3 तृतीय प्रष्न पत्र – पर्यटन के विविध आयाम

उद्देष्य – राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन के विभिन्न पहलुओं से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

पाठ्यांश
इकाई 1 : 1. सांस्कृतिक पर्यटन, 2. ऐतिहासिक पर्यटन
इकाई 2 : 1. सामाजिक पर्यटन, 2. धार्मिक पर्यटन, 3. पर्यटन का आर्थिक पहलू।
इकाई 3 : पर्यटन मे स्वरोजगार : पर्यटन विज्ञापन और आलेखन
इकाई 4 : भारत में पर्यटन
इकाई 5 : पर्यावरण पर्यटन – राष्ट्रीय उद्यान, अभ्यारण

REFERENCE BOOKS:

1. प्राचीन भारतीय धर्म एवं दशर्न : शिवस्वरूप सहाय
2. पर्यटकों का देश भारत : शिवस्वरूप सहाय
3. भारतीय स्थापत्य एवं कला : तिवारी गौतम.
4. पर्यटन सिद्वांत और प्रबंधन : शिवस्वरूप सहाय.

परिणाम – पर्यटन के क्षेत्र में स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा एवं पर्यटन के विभिन्न क्षेत्रों में विद्यार्थियों का ज्ञान बढ़ेगा।

4 चतुर्थ प्रष्न पत्र – आधुनिक भारतीय साहित्य

उद्देष्य –विद्यार्थियों को आधुनिक भारतीय साहित्य से अवगत कराना।

पाठ्यांश
इकाई 1 : भारतीय साहित्य का अर्थ, स्वरूप एवं विशेषताएँ, संकलन की समस्याएँ
इकाई 2 : प्रमुख आधुनिक भारतीय हिन्दी साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ
इकाई 3 : मार्क्सवाद एवं अस्तित्ववाद से प्रभावित भारतीय साहित्य
इकाई 4 : आधुनिक महिला कथाकार एवं उनका साहित्य
इकाई 5 : नई कहानी और आधुनिक साहित्यकार

परिणाम – विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य, भारत की गौरवशाली संस्कृति एवं इतिहास की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकेगी जो विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं हेतु भी उपयोगी साबित होगी।

REFERENCE BOOKS:

1. भारतीय साहित्य : डॉ नागेंद्र – नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
2. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ : डॉ. रामविलास शर्मा
3. भारतीय भाषाओं के साहित्य का इतिहास : केंद्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली
4. भारतीय साहित्य अवधारणा समन्यवय एवं सादृश्यता : जगदीश गुप्त

5 पंचम प्रष्न पत्र – दृष्य–श्रव्य माध्यम लेखन

उद्देश्य – हिन्दी पत्रकारिता के क्षेत्र में दृश्य एवं श्रव्य माध्यम लेखन की कला में विद्यार्थियों को पारंगत करना।

पाठ्यांश

इकाई 1 : जनसंचार और आधुनिक माध्यम, दृश्य–श्रव्य माध्यम का इतिहास, दृश्य–श्रव्य माध्यमों में समाचार संरचना, समाचार पाठन और भाषा।

इकाई 2 : दृश्य–श्रव्य माध्यमों में भाषा सामग्री का सामंजस्य तथा भाषिक संयोजन, एफ.एम.

इकाई 3 : रेडियो लेखन, रेडियो पत्रिका, फीचर वार्ता, साक्षात्कार और परिचर्चा, समाचार लेखन, रेडियो नाटक और रूपक के लिए संवाद लेखन, रेडियो विज्ञापन।

इकाई 4 : टेलीविजन लेखन, समाचार, धारावाहिक, चर्चा–परिचर्चा, साक्षात्कार और सीधे प्रसारण की भाषिक संचरना और प्रस्तुति।

इकाई 5 : सिनेमा, हिन्दी सिनेमा की संवेदना और भाषा विचार, फिल्म समीक्षा लेखन।

परिणाम – प्रसारण पत्रकारिता के क्षेत्र में विद्यार्थियों को अपने कैरियर निर्माण का अवसर प्राप्त हो सकेगा।

REFERENCE BOOKS:

प्रयोजनात्मक हिन्दी	:	प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित एवं सिंह–सुलभ प्रकाशन
जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी	:	डॉ. चंद्रकुमार – क्लासिकल पब्लिक कंपनी
दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग	:	डॉ. कृष्णकुमार रत्तु – मीनाक्षी प्रकाशन जयपुर
संपादन कला	:	डॉ. संजु भनावत – यूनिवर्सिटी प्रकाशन जयपुर
सिने संसार और पत्रकारिता	:	रामकृष्ण–भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन
एंकर रिपोर्टर	:	पुन्न प्रसुन्न वाजपेयी – राजकमल प्रकाशन

Semester- V

CORE COURSES

1 प्रथम प्रश्न पत्र – उपन्यास साहित्य

उद्देष्य – उपन्यास साहित्य के अतीत एवं वर्तमान की जानकारी देना एवं उपन्यास लेखन कला से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

पाठ्यांश

इकाई 1 : उपन्यास : उद्‌भव एवं विकास
इकाई 2 : प्रेमचंद युगीन उपन्यास एवं उपन्यासकार
इकाई 3 : सारा आकाश : राजेन्द्र यादव
इकाई 4 : मैला ऑचल–पूवार्ध : फणीश्वरनाथ रेणु
इकाई 5 : मैला ऑचल – उत्तरार्ध : फणीश्वरनाथ रेणु

परिणाम – विभिन्न उपन्यासकारों की लेखन कला से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे एवं उपन्यास लेखन में उनकी प्रतिभा का विकास हो सकेगा। विद्यार्थियों को लेखन की उत्कृष्टता का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।

REFERENCE BOOKS:

1. मैला ऑचल : फणीश्वर नाथ रेणु
2. हिन्दी उपन्यास : रामदरश मिश्र
3. आज का हिन्दी उपन्यास : इन्द्रनाथ मदान
4. .सारा अकाश : राजेन्द्र यादव
5. .हिन्दी उपन्यास : शिवनारयण श्रीवास्तव

2 द्वितीय प्रष्न पत्र – प्रयोगवाद एवं नई कविता

उद्देष्य –प्रयोगवादी काव्य एवं नई कविता से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।

पाठ्यांश

इकाई–1 : प्रयोगवादी काव्यधारा– प्रतीकवाद, बिम्बवाद, अति यथार्थवाद, प्रभाववाद, अस्तित्ववाद, प्रयोगवादी काव्यधारा का विकास, प्रयोगवाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ–विषयगत, शिल्पगत

इकाई–2 : प्रयोगवाद के पुरस्कर्ता – अज्ञेय

इकाई–3 : नयी कविता की पृष्ठभूमि, नयी कविता के कवि नागार्जुन – अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है, यह तुम थी, शिशिर विषकन्या, सिन्दूर तिलकित भाल।

इकाई–4 : प्रयोगवाद, नयी कविता एवं अज्ञेय।

इकाई–5 : नयी कविता के विशिष्ट प्रतिनिधि कवि – मुक्तिबोध का रचना संसार।

परिणाम – समय के साथ काव्य के क्षेत्र में आए बदलाव को विद्यार्थी समझ सकेंगे एवं प्रयोगवाद तथा नई काव्य शैली को सीखकर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का विकास कर सकेंगे।

REFERENCE BOOKS:

1.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	:	नागेन्द्र – हरदयाल
2.	नई कविता और अस्तित्ववाद	:	रामविलास शर्मा
3.	अज्ञेय और नई कविता	:	चंद्रकला त्रिपाठी
4.	मुक्तिबोध–ज्ञान और संवेदना	:	नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5.	समकालीन हिन्दी कविता	:	विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
6.	नागार्जुन की आचंलिक सर्जना का मुल्यांकन	:	डॉ. प्रभुशंकर शुक्ल

3 तृतीय प्रश्न पत्र – पत्रकारिता में प्रेस कानून और आचार संहिता

उद्देष्य – पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रेस कानून एवं आचार संहिता से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

पाठ्यांश

इकाई–1 : प्रमुख प्रेस विधि, प्रेस की स्वतंत्रता, प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, कॉपीराइट एक्ट, औषधी और जादूगरी उपचार अधिनियम

इकाई–2 : अवमानना

इकाई–3 : मानहानि

इकाई–4 : श्रमजीवी पत्रकार और समाचार पत्र

इकाई–5 : प्रेस परिषद, एडिटर गिल्ड

परिणाम – पत्रकारिता की नैतिकता हेतु आचार संहिता एवं प्रेस कानून की जानकारी से अवगत होने से विद्यार्थी इस क्षेत्र में सफलता के साथ कार्य कर सकेंगे।

REFERENCE BOOKS:

1.	आधुनिक पत्रकारिता	:	डॉ. अर्जुन तिवारी
2.	हिन्दी पत्रकारिता के कीर्तिमान	:	जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी
3.	जनसंचार सिद्धांत एवं अनुप्रयोग	:	विष्णु राजगढ़िया
4.	पत्रकारिता प्रबंध	:	प्रियंका, राकेश नैम
5.	हिन्दी समाचार पत्रों का इतिहास	:	अम्बिका प्रसाद वाजपेयी
6.	संपूर्ण पत्रकारिता	:	डॉ. अर्जुन तिवारी
7.	भारतीय पत्रकारिता (मुद्दे और अपेक्षाएं)	:	बबन प्रसाद मिश्र

4 चतुर्थ प्रष्न पत्र – यात्रा साहित्य

उद्देष्य – यात्रा साहित्य लेखन की विधा से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

पाठ्यांश

इकाई 1 : यात्रा साहित्य का उद्‌भव और विकास, राहुल सांकृत्यायन – मेरी तिब्बत यात्रा
इकाई 2 : रामवक्ष बेनीपुरी : पैरों में पंख बांधकर
इकाई 3 : रामधारी सिंह दिनकर : मेरी यात्राएँ
निर्मल वर्मा : चीड़ो पर चांदनी
इकाई 4 : अज्ञेय : अरे यायावर याद रहेगा – एक बूंद सहसा उछली
इकाई 5 : : गंगा से मिसीसिपी तक

परिणाम – यात्रा साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न पर्यटन स्थलों की जानकारी के साथ–साथ यात्रा लेखन की विधा में पारंगत होने का अवसर प्राप्त होगा।

REFERENCE BOOKS:

1. हिन्दी का यात्रा साहित्य एक विंहगम दृष्टि : विश्व मोहन तिवारी
2. स्वातंत्रयोत्तर यात्रा साहित्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन : अनिल कुमार
3. मेरी जीवन यात्रा : राहुल सास्कृत्यायन
4. अरे यायावर याद रहेगा : सच्चिदानंद हीरानंद वात्सयायन अज्ञेय
5. गंगा से मिसीसिपी तक : श्यामाचरण शुक्ल

5 पंचम प्रष्न पत्र – लोक साहित्य

उद्देष्य – ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और भौगोलिक क्षेत्र में लोक साहित्य के माध्यम से लोक जीवन के विस्तृत महत्व से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

पाठ्यांश

इकाई 1 : लोक साहित्य परिभाषा एवं स्वरूप, अवधारणा, लोक साहित्य शब्द का अर्थ, लोक साहित्य की परंपरा।
इकाई 2 : लोक साहित्य महत्व–ऐतिहासिक महत्व, सामाजिक महत्व, सांस्कृतिक महत्व, धार्मिक महत्व, भौगोलिक महत्व।
इकाई 3 : लोक साहित्य के विविध रूप– लोकगीत, लोक गाथा, लोक कला, लोक नाट्य।
इकाई 4 : आंचलिक लोक साहित्य का उद्‌भव, विकास, काल विभाजन।
इकाई 5 : लोक भाषा – लोक संभाषित मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ।

परिणाम – विद्यार्थियों को लोक–जीवन की प्रत्येक अवस्था, आचार–विचार, प्रकृति, स्वरूप आदि को करीब से समझने का अवसर प्राप्त होगा। उन्हें लोक साहित्य में लेखन एवं अध्ययन के प्रति प्रेरित किया जा सकेगा।

REFERENCE BOOKS:

1. लोक साहित्य : स्वरूप और मूल्यांकन – डॉ. श्रीराम शर्मा
2. लेक साहित्य की भूमिका – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय

Semester- VI
CORE COURSES

1 प्रथम प्रश्न पत्र – गद्य की अन्य विधाएँ

उद्देष्य – विद्यार्थियों को रेखाचित्र, डायरी लेखन, आत्मकथा, पत्र साहित्य जैसी विधाओं से अवगत कराना।

पाठ्यांश
इकाई 1 : गद्य की अन्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय
इकाई 2 : आत्मकथा – हरिवंश राय बच्चन : क्या भूलूं क्या याद करूं। :
इकाई 3 : रेखाचित्र – रामवृक्ष बेनीपुरी : माटी की सूरतें, महादेवी वर्मा : अतीत के चलचित्र
इकाई 4 : संस्मरण – हरिशंकर परसाई : मुक्तिबोध एक संस्मरण
इकाई 5 : एकांकी – उपेंद्रनाथ अश्क : सूखी डाली

परिणाम – हिन्दी साहित्य लेखन की विविध विधाओं से विद्यार्थीगण अवगत हो सकेंगे और उन्हें इन विधाओं में अपनी प्रतिभा के विकास का अवसर प्राप्त होगा।

REFERENCE BOOKS:

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : लक्ष्मी सागर वाष्णेर्य
2. क्या भूंलूं क्या याद करु : हरिवंश्ज्ञ राय बच्चन
3. रामवृक्षबेनी पुरी के रेखाचित्र एक अध्ययन साहित्य : रशमी चर्तुवेदी
4. रामवृक्ष बेनीपुरी रचना संचयन : मस्तराम कपूर.
5. भारतीय सीाहत्य के निर्माता शिवदान सिंह चौहान : पुरषोत्तम अग्रवाल
6. रेणु रचना संचयन : भारत यायावर

2 द्वितीय प्रश्न पत्र – सूचना प्रौद्योगिकी और पत्रकारिता

उद्देष्य – पत्रकारिता के क्षेत्र में सूचना प्रोद्योगिकी के महत्व से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

पाठ्यांश
इकाई–1 : सूचना प्रोद्योगिकी, अभिप्राय, महत्व
इकाई–2 : मल्टीमीडिया
इकाई–3 : ई–जर्नलिज्म
इकाई–4 : खोजी पत्रकारिता
इकाई–5 : पीत पत्रकारिता, पैड न्यूज संस्कृति

परिणाम – विद्यार्थियों को पत्रकारिता से संबधित विभिन्न इलेक्ट्रानिक उपकरणों का प्रशिक्षण प्राप्त होंगा जो उनके कैरियर निर्माण हेतु उपयोगी साबित होगा।

REFERENCE BOOKS:

1. टेलीविजन की भाषा : हरीशचंद्र वर्णवाल
2. पत्रकारिता के नए आयाम : एस.के. दुबे
3. आधुनिक पत्रकारिता : डॉ. अनुज तिवारी
4. मीडिया विमर्श : रामशरण जोशी
5. सामयिक मीडिया शब्दकोश : हर्षदेव

3 तृतीय प्रष्न पत्र – अस्मितामूलक विमर्ष और हिन्दी साहित्य

उद्देष्य – हिन्दी साहित्य की विभिन्न विचारधारओं, आंदोलन एवं उससे प्रभावित साहित्य से अवगत कराना।

पाठ्यांश

इकाई 1 : अस्मितामूलक विमर्श का अर्थ, परिभाषा एवं हिन्दी साहित्य में अस्मितामूलक विमर्श

इकाई 2 : स्त्री विमर्श – अवधारणा, स्वरूप, आंदोलन

इकाई 3 : दलित विमर्श – अवधारणा, स्वरूप, आंदोलन

इकाई 4 : आदिवासी विमर्श – अवधारणा, स्वरूप, आंदोलन

इकाई 5 : विमर्शमूलक कथा साहित्य – ओमप्रकाश वाल्मिकी – सलाम, नासिरा शर्मा – खुदा की वापसी

परिणाम– विद्यार्थियों को अस्मितामूलक विमर्श के अंतर्गत विभिन्न विचारधाराओं की जानकारी प्राप्त होगी एवं उनमें सामाजिक चेतना का विकास होगा।

REFERENCE BOOKS:

1. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. परिधि पर स्त्रीः : मृणाल पाण्डे
4. खुली खिड़कियाँ : मैत्रेयी पुष्पा
5. आधुनिकता के आइने में दलित : अभय कुमार दुबे

4 चतुर्थ प्रश्न पत्र : विशिष्ट क्षेत्र में परियोजना कार्य, लघु शोध प्रबंध, पत्रकारिता में परियोजना कार्य

उद्देष्य – विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त कराना।

परिणाम – विद्यार्थियों को पर्यटन एवं पत्रकारिता के विभिन्न संस्थानों में प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराकर उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना।

नोट – चतुर्थ प्रश्न पत्र के अंतर्गत विभिन्न मीडिया संस्थानों में विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के लिए भेजा जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान पत्रकारिता एवं पर्यटन में परियोजना प्रतिवेदन बनवाया जाएगा।